परिशिष्ट ""A""

पाठ्यक्रम संरचना

कक्षा – XI

विषय – मनोविज्ञान (105)

पूर्णांक – 100

सैद्धांतिक – 70
प्रायोगिक – 30

स.क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
1.	मनोविज्ञान क्या है?	09	30
2.	मनोविज्ञान में जाँच की विधियाँ	09	30
3.	मानव विकास	10	32
4.	संवेदी, अवधानिक एवं प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ	10	32
5.	अधिगम	09	20
6.	मानव स्मृति	09	20
7.	चिंतन	07	18
8.	अभिप्रेरणा एवं संवेग	07	18
	योग –	**70**	**200**
	प्रायोगिक –	**30**	**40**
	महायोग –	**100**	**240**

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – XI
विषय – मनोविज्ञान (105)

पूर्णांक – 70 समय – 3:00 घण्टे

"A"-प्रश्नानुसार अंक विभाजन

क्र.	शैक्षिक उद्देश्य	वस्तुनिष्ठ/ एक शब्द में उत्तर 01	अति लघु उत्तरीय (VSA) 02	लघु उत्तरीय (SA) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA) 04	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA) 06	कुल अंक	% अधिभार
1.	ज्ञानात्मक (Knowledge) परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	03	02	01	01	-	14	20%
2.	अवबोधात्मक (Understanding) अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	02	01	01	01	01	17	24%
3.	अनुप्रयोगात्मक (Application) उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	03	01	01	01	01	18	26%
4.	विश्लेषणात्मक (Analysis) [HOTS] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतो पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकरण/सुसगठित करना/अंतर	01	01	-	01	-	07	10%
5.	मूल्यांकन (Evaluation) मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/ तर्क आधारित	-	-	01	01	-	07	10%
6.	रचनात्मक (Creation/Creativity) सृजन करना/पुर्वानुमान/योजना बनाना/ परिकल्पना/संगठित करना	01	01	-	01	-	07	10%
	योग	1(10) = 10	2(06) =12	3(04) =12	4(06) =24	6(02) =12	70	100%

"B"- प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न/एक शब्द में उत्तर	01	01(10)	10
2.	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (VSA)	02	06	12
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न (SA)	03	04	12
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA)	04	06	24
5.	अति दीर्घउत्तरीय प्रश्न (VLA)	06	02	12
		कुल योग	18+1(10)	70

"C"- कठिनाई स्तर अनुसार अंक विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	21	30%
2.	औसत (AV)	35	50%
3.	कठिन (D)	14	20%
	योग	70	100%

ब्लूप्रिंट
कक्षा – XI
विषय – मनोविज्ञान (105)

पूर्णांक – 70 समय – 3:00 घण्टे

क्र	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	अंको का अधिमार	वस्तुनिष्ठ/ एक शब्द में उत्तर 01	अति लघु उत्तरीय (VSA) 02	लघु उत्तरीय (SA) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA) 04	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA) 06	कुल अंक	कुल प्रश्नों की संख्या
1.	मनोविज्ञान क्या है?	09	03	01	-	01	-	09	2(3)
2.	मनोविज्ञान में जाँच की विधियाँ	09	-	01	01	01*	-	09	3(0)
3.	मानव विकास	10	01	-	01	-	01*	10	2(1)
4.	संवेदी, अवधानिक एवं प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ	10	01	01	01	01*	-	10	3(1)
5.	अधिगम	09	01	01	-	-	01*	09	2(1)
6.	मानव स्मृति	09	-	01	01	01	-	09	3(0)
7.	चिंतन	07	01	01	-	01	-	07	2(1)
8.	अभिप्रेरणा एवं संवेग	07	03	-	-	01	-	07	1(3)
	योग	**70**	**1(10) = 10**	**2(06) =12**	**3(04) =12**	**4(06) =24**	**6(02) =12**	**70**	**18+1(10) = 19**

नोटः–

01. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे। खण्ड 'अ' में 05 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) एवं खण्ड 'ब' में 05 एक शब्द (One Word) में उत्तर वाले प्रश्न होंगे।
02. * तारांकित प्रश्नों में विकल्प दिए जायेंगे।
03. योग में कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाती है।

प्रश्नपत्र संरचना
कक्षा – XI
विषय – मनोविज्ञान (105)

कुल अंक – 70 **समय – 3:00 घण्टे**

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–

(i) **खण्ड–"अ"** में **05** बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

(ii) **खण्ड–"ब"** में **05** एक शब्द (One Word) में उत्तर वाले प्रश्न होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र0–07 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (VSA) होगें। प्रत्येक में 02 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 30 शब्द

3. प्रश्न क्र0–08 से प्रश्न क्र0–11 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA) होगें। प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 50 शब्द

4. प्रश्न क्र0–12 तथा प्रश्न क्र0–17 दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA) होगें। प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 75–100 शब्द

5. प्रश्न क्र0–18 से प्रश्न क्र0–19 तक अति दीर्घउत्तरीय प्रश्न (VLA) होगें। प्रत्येक में 06 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 150–200 शब्द

पाठ्यक्रम
कक्षा – XI
विषय – मनोविज्ञान (105)

अध्याय – 01 मनोविज्ञान क्या है? – अंक 09 कालखण्ड 30

परिचय, मनोविज्ञान क्या है? – मनोविज्ञान एक विद्याशाखा के रूप में, मनोविज्ञान एक प्राकृतिक विज्ञान के रूप में, मनोविज्ञान एक सामाजिक विज्ञान के रूप में, मन एवं व्यवहार की समझ, मनोविज्ञान विद्याशाखा की प्रसिद्ध धारणाएँ, मनोविज्ञान का विकास, भारत में मनोविज्ञान का विकास, मनोविज्ञान की शाखाएँ, मनोविज्ञान एवं अन्य विद्याशाखाएँ, दैनंदिन जीवन मे मनोविज्ञान।

अध्याय – 02 – मनोविज्ञान में जाँच की विधियाँ – अंक 09 कालखण्ड 30

परिचय, मनोविज्ञान जाँच के लक्ष्य, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के चरण, अनुसंधान के वैकल्पिक प्रतिमान, मनोवैज्ञानिक प्रदत्त का स्वरूप, मनोविज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण विधियाँ – प्रेक्षण विधि, प्रेक्षण के प्रकार, प्रायोगिक विधि, परिवर्त्य का संप्रत्यय, प्रायोगिक एवं नियंत्रित समूह, क्षेत्र प्रयोग एवं प्रयोग–कल्प, सहसंबंधात्मक अनुसंधान, सर्वेक्षण अनुसंधान, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, परीक्षण के प्रकार, व्यक्ति अध्ययन, प्रदत्त विश्लेषण – परिमाणात्मक विधि, गुणात्मक विधि, मनोवैज्ञानिक जॉच की सीमाएँ, नैतिक मुद्दे।

अध्याय – 03 – मानव विकास – अंक 10 कालखण्ड 32

परिचय, विकास का अर्थ, विकास को प्रभावित करने वाले कारक, विकास का संदर्भ, विकासात्मक अवस्थाओं की समग्र दृष्टि, प्रसव पूर्व अवस्था, शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था की चुनौतियाँ, प्रौढ़ावस्था एवं वृद्धावस्था।

अध्याय – 04 – संवेदी, अवधानिक एवं प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ – अंक 10 कालखण्ड 32

परिचय, जगत का ज्ञान, उद्दीपक का स्वरूप एवं विविधता, संवेदन प्रकारताएँ – ज्ञानेंद्रियों की प्रकार्यात्मक सीमाएँ, अवधानिक प्रक्रियाएँ – चयनात्मक अवधान, संघृत अवधान, प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ, प्रत्यक्षणकर्ता, प्रात्यक्षिक संगठन के सिद्धांत, स्थान, गहनता तथा दूरी प्रत्यक्षण, प्रात्यक्षिक स्थैर्य, भ्रम, प्रत्यक्षण पर सामाजिक–सांस्कृतिक प्रभाव।

अध्याय – 05 – अधिगम – अंक 09 कालखण्ड 20

परिचय, अधिगम का स्वरूप – अधिगम की विशेषताएँ, अधिगम के प्रतिमान, प्राचीन अनुबंधन – प्राचीन अनुबंधन के निर्धारक, क्रियाप्रसूत/नैमित्तिक अनुबंध, – क्रियाप्रसूत अनुबंधन के निर्धारक, प्रबलन के प्रकार, प्रबलन की संख्या तथा अन्य विशेषताएँ, प्रमुख अधिगम प्रक्रियाएँ, प्रेक्षणात्मक अधिगम, संज्ञानात्मक अधिगम, वाचिक अधिगम, कौशल अधिगम, अधिगम को सुगम बनाने वाले कारक, अधिगम अशक्तताएँ – अधिगम अशक्तता के लक्षण।

अध्याय – 06 – मानव स्मृति – **अंक 09 कालखण्ड 20**

परिचय, स्मृति का स्वरूप, सूचना प्रक्रमण उपागम : अवस्था मॉडल, स्मृति तंत्र : संवेदी, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्मृतियॉ, प्रक्रमण स्तर, दीर्घकालिक स्मृति के प्रकार, विस्मरण के स्वरूप एवं कारण – चिन्ह ह्रास के कारण विस्मरण, अवरोध के कारण विस्मरण, पुनरूद्धार असफलता के कारण विस्मरण, स्मृति वृद्धि, प्रतिमाओं के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत, संगठन के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत।

अध्याय – 07 – चिंतन – **अंक 07 कालखण्ड 18**

परिचय, चिंतन का स्वरूप – चिंतन के आधारभूत तत्व, मानसिक प्रतिमा, संप्रत्यय, संस्कृति एवं चिंतन, चिंतन की प्रक्रिया, समस्या समाधन – समस्या समाधान के अवरोध, तर्कना – निगमनात्मक तथा आगमनात्मक तर्कना, निर्णयन, संर्जनात्मक चिंतन का स्वरूप एवं प्रक्रिया, विचार एवं भाषा – विचार के निर्धारक के रूप में भाषा, भाषा निर्धारक के रूप में विचार, भाषा एवं विचार के भिन्न उद्‌गम, भाषा एवं भाषा के उपयोग का विकास – भाषा का अर्थ एवं स्वरूप, भाषा का विकास, भाषा का उपयोग।

अध्याय – 08 – अभिप्रेरणा एवं संवेग – **अंक 07 कालखण्ड 18**

परिचय, अभिप्रेरण का स्वरूप – अभिप्रेरणात्मक चक्र, अभिप्रेरको के प्रकार – जैविक अभिप्रेरक, मनोसामाजिक अभिप्रेरक, मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम, संवेगो का स्वरूप, संवेगो की अभिव्यक्ति – संस्कृति एवं संवेगात्मक अभिव्यक्ति, संस्कृति एवं संवेगो का नामकरण, निषेधात्मक संवेगों का प्रबंधन, अभिगातज उत्तर दबाव विकार, परीक्षा–दुश्चिंता का प्रबंधन, विध्यात्मक संवेगों में वृद्धि।

योग –	70	200
प्रायोगिक –	30	40
महायोग –	100	240

प्रायोगिक कार्य
कक्षा – XI
विषय – मनोविज्ञान (105)

अधिकतम अंक : 30 अंक
(Max. Marks 30)

समय : 3:00 घंटे
(Time : three Hours)

स.क्र. S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंक Marks allotted
1.	Practical (Expeiment) File (प्रायोगिक रिकार्ड)	05
2.	Project File (प्रोजेक्ट रिकार्ड)	05
3.	Viva Voce (experiment and project) मौखिक (प्रयोग वा प्रायोजना पर आधारित)	05
4.	One experiment : 5 marks for conduct and 10 marks for reporting (एक प्रयोग : 5+10)	15
	कुल अंक (Total)	30 अंक **30 Marks**

टीप – 01. विषय शिक्षक पाठ्यक्रमनुसार विषय वस्तु का चयन कर विद्यार्थियों से प्रयोजना कार्य करावें।

02. प्रेक्टिक/प्रायोजना रिकार्ड में कम से कम 02 प्रायोगिक एवं 02 प्रायोजना का रिकार्ड संधारित कराया जावें।